

डिज़र्टेशन के लिए रहनुमा उसूल (Guidelines for Dissertation Work)

तलबा के लिए रहनुमा हिदायात :

- ✚ बी.ए. पंचम सेमेस्टर के तलबा के लिए डिज़र्टेशन (तहक्रीकी मक़ाला) एक लाज़िमी तालीमी जुज़ है। इस मक़सद के लिए तलबा को शोबा-ए-उर्दू के मजाज़ असातिज़ा से रहनुमाई हासिल करना ज़रूरी है। तलबा को अपने मुक़रर सुपरवाइज़र / फ़ैसिलिटेटर (Facilitator) से बाक़ायदा राबता क़ायम रखना होगा ताकि तहक़ीक़ के दौरान मुनासिब रहनुमाई, मशवरा और तालीमी मुआवनत हासिल हो सके।
- ✚ तलबा को सबसे पहले अपना डिज़र्टेशन प्रोपोज़ल (Dissertation Proposal) तैयार करना होगा और उसे यूनिवर्सिटी को सिर्फ़ सॉफ़्ट कॉपी (PDF) की सूरत में ज़ैल ई-मेल आईडी पर इरसाल करना होगी:
dou@uou.ac.in
- ✚ शोबा-ए-उर्दू, उत्तराखण्ड ओपन यूनिवर्सिटी की जानिब से मौसूल डिज़र्टेशन प्रोपोज़ल का तफ़्सीली जायज़ा लिया जाएगा और उससे मुतअल्लिक़ ज़रूरी हिदायात और तजावीज़ फ़राहम की जाएँगी। नज़र-ए-सानी शुदा प्रोपोज़ल और उस पर दी गई आरा (Feedback) को यूनिवर्सिटी की सरकारी वेबसाइट पर प्रोपोज़ल जमा कराने की आख़िरी तारीख़ के एक हफ़्ते बाद अपलोड किया जाएगा।
- ✚ जिन तलबा के डिज़र्टेशन प्रोपोज़ल को यूनिवर्सिटी की जानिब से मुस्तरद कर दिया जाएगा, उन्हें तजवीज़ कर्दा इस्लाहात की रौशनी में अपने प्रोपोज़ल में तरमीम कर के एक हफ़्ते के अंदर दुबारा सिर्फ़ सॉफ़्ट कॉपी की सूरत में यूनिवर्सिटी को इरसाल करना होगा।
- ✚ किसी भी सूरत में ऐसा डिज़र्टेशन क़बूल नहीं किया जाएगा जिसका मुतअल्लिक़ा प्रोपोज़ल या तो मुस्तरद हो चुका हो या जिसे बाक़ायदा मंज़ूरी हासिल न हुई हो।
- ✚ तलबा को अपना तहक़ीकी काम सिर्फ़ उसी वक़्त शुरू करना चाहिए जब यूनिवर्सिटी की जानिब से प्रोपोज़ल की बाक़ायदा मंज़ूरी हासिल हो जाए।
- ✚ डिज़र्टेशन प्रोपोज़ल के साथ सुपरवाइज़र / फ़ैसिलिटेटर का मुख़्तसर तआरुफ़ी ख़ाका (Bio-data) मुनसलिक़ करना लाज़िमी है।

- ✚ बायोडाटा के बगैर इरसाल किए गए प्रोपोजल किसी भी सूरत में कबूल नहीं किए जाएंगे।
- ✚ यूनिवर्सिटी को इरसाल किया गया डिजिटेशन प्रोपोजल तलबा को वापस नहीं किया जाएगा।
- ✚ तलबा से तबक़को की जाती है कि वह अपना तहक़ीक़ी काम आज़ादाना और खुद अंजाम दें। नक़ल, सरक़ा (Plagiarism) या किसी दूसरे के काम से तर्जुमा या अख़्ज शूदा मवाद किसी भी सूरत में क़ाबिले-क़बूल नहीं होगा।
- ✚ अगर यूनिवर्सिटी को यह मालूम होता है कि दो या ज़्यादा तलबा ने एक जैसे या बहुत ज़्यादा मुशाबेह उनवानात और मवाद पर डिजिटेशन जमा कराया है, या किसी तालिब-ए-इल्म ने किसी दूसरे तालिब-ए-इल्म के काम का तर्जुमा या तरमीम-शूदा नुस्खा पेश किया है, तो ऐसी सूरत में डिजिटेशन मुस्तरद और मंसूख कर दिया जाएगा।
- ✚ डिजिटेशन की रहनुमाई के सिलसिले में तलबा से किसी भी क्रिस्म की फ़ीस वसूल नहीं की जाएगी।
- ✚ डिजिटेशन उर्दू ज़बान में, सिंगल स्पेस, फ़ॉन्ट साइज़ 16, A4 साइज़ पेपर पर तैयार किया जाना चाहिए। टाइपिंग मुकम्मल होने के बाद डिजिटेशन की बारिक-बीनी से प्रूफ़-रीडिंग की जाए और तमाम तबाअती, लिसानी और फ़ॉर्मेटिंग ग़लतियों की इस्लाह की जाए।
- ✚ डिजिटेशन के तमाम सफ़हात पर सफ़हा नंबर दर्ज होना लाज़िमी है।
- ✚ डिजिटेशन को हार्ड कवर बाइंडिंग में जमा कराना ज़रूरी है।
- ✚ डिजिटेशन के सर-ए-वरक़ (First Page) पर ज़ेल तफ़्सीलात वाज़ेह तौर पर दर्ज होनी चाहिए:
 - तालिब-इल्म का पूरा नाम
 - एनरोलमेंट नंबर
 - स्टडी सेंटर का मुकम्मल पता
 - सुपरवाइज़र / फ़ैसिलिटेटर का पूरा नाम

(इसका नमूना रहनुमाई किताबचे के आखिर में दिया गया है)
- ✚ तलबा को किताबचे के आखिर में दिए गए तीनों प्रोफ़ॉर्मा मुकम्मल तौर पर भर कर डिजिटेशन के साथ मुनसलिक़ करना लाज़िमी है।

- ✚ डिजिटेशन का तहकीकी काम बुनियादी (Primary Data) और / या सानवी (Secondary Sources) माखज पर मबनी होना चाहिए।
- ✚ तहकीक से मुतअल्लिक साबिका लिटेरेचर का मुताला निहायत जरूरी है। इस से न सिर्फ मौजू पर गिरफ्त मजबूत होती है बल्कि तहकीकी मेयार में भी नुमायाँ बेहतरी आती है।
- ✚ तलबा को डिजिटेशन की तीन कॉपियाँ तैयार करनी होंगी:
 - एक कॉपी यूनिवर्सिटी के लिए
 - एक कॉपी सुपरवाइजर के लिए
 - एक कॉपी ज्ञाती रिकॉर्ड के लिए
- ✚ उनवानात के लिए फ्रॉन्ट साइज 20 और जेली उनवानात के लिए 18 (Noori Nastaliq) इस्तेमाल किया जा सकता है, जब कि अस्ल मत्न के लिए फ्रॉन्ट साइज 16 होना चाहिए। बहुत छोटा या बहुत बड़ा फ्रॉन्ट इस्तेमाल करने की सूरत में डिजिटेशन मुस्तरद की जा सकती है।
- ✚ डिजिटेशन कम से कम 60 सफ़हात पर मुश्तमिल होनी चाहिए और हार्ड बाउंड होना लाज़िमी है।
- ✚ हवाला-जात फ़ेहरिस्त (Bibliography / References) के बग़ैर पेश की गई कोई भी तहकीकी तहरीर किसी भी सूरत में क़बूल नहीं की जाएगी।
- ✚ तहकीकी प्रोपोज़ल / ख़ाका पहले सुपरवाइजर से मंज़ूर-शुदा होना चाहिए और उसके बाद तालिब-ए-इल्म और सुपरवाइजर दोनों के अस्ल दस्तख़तों के साथ मुकर्ररा मुद्त के अंदर शोबा-ए-उर्दू, उत्तराखण्ड ओपन यूनिवर्सिटी को ज्ञाती तौर पर या रजिस्टर्ड डाक के ज़रिए इरसाल करना होगा। मुकर्ररा तारीख़ की ख़िलाफ़वरज़ी की सूरत में प्रोपोज़ल क़बूल नहीं किया जाएगा और इसकी पूरी ज़िम्मेदारी तालिब-ए-इल्म पर आइद होगी।
- ✚ सिर्फ़ वही असातिज़ा सुपरवाइजर बनने के अहल होंगे जो:
 - पी-एच.डी. की डिग्री रखते हों
 - किसी यूनिवर्सिटी या कॉलेज में मुस्तक़िल, आरज़ी या कॉन्ट्रैक्चुअल बुनियाद पर तदरीसी ख़िदमात अंजाम दे रहे हों
 - तहकीक़ या प्रोजेक्ट की रहनुमाई का कम से कम दो साल का तजुर्बा रखते हों

(अलबत्ता उत्तराखण्ड ओपन यूनिवर्सिटी में खिदमात अंजाम देने वाले शोबा-ए-उर्दू के असातिजा के लिए दो साल के तजुर्बे की शर्त लागू नहीं होगी)

✚ डिजिटेशन कुल 100 नंबर पर मुश्तमिल होगा :

– 70 नंबर तहरीरी डिजिटेशन के

– 30 नंबर वाइवा-वोसे (जबानी इम्तिहान) के

वाइवा इम्तिहान में शामिल होने के लिए तालिब-ए-इल्म को तहरीरी डिजिटेशन में कम से कम 50 फ्रीसद नंबर हासिल करना लाजिमी है। 50 फ्रीसद से कम नंबर की सूरत में तालिब-ए-इल्म नाकाम तसव्वुर किया जाएगा और उसे अगले तालीमी सेशन में बैक-लॉग फॉर्म भर कर दुबारा डिजिटेशन जमा कराना होगा।

✚ UGC के जवाबित के मुताबिक 10 फ्रीसद तक Plagiarism क्राबिले-क्रबूल है। डिजिटेशन को मोतबर सॉफ्टवेयर से चेक कराना और Plagiarism Certificate मुनसलिक करना लाजिमी है। 10 फ्रीसद से ज्यादा सरक्रे की सूरत में डिजिटेशन क्रबूल नहीं की जाएगा।

✚ तहक्रीकी सुपरवाइजर और डिजिटेशन का जायजा लेने वाले मुमतहिनीन को यूनिवर्सिटी के क्वाइद के मुताबिक इज्जाजिया (Honorarium) अदा किया जाएगा।

✚ डिपार्टमेंट की सतह पर हर सेशन के लिए तहक्रीकी मौजूआत की फ़ेहरिस्त में जरूरत के मुताबिक तरमीम की जा सकती है।

अहम तारीखें:

✚ डिजिटेशन से मुतअल्लिक तमाम अहम तारीखें यूनिवर्सिटी की सरकारी वेबसाइट पर जारी की जाएंगी।

✚ तलबा को अपना डिजिटेशन प्रोपोजल मुकर्रर ई-मेल आईडी dou@uou.ac.in पर ही इरसाल करना होगा।

✚ मुकर्रर आखिरी तारीख के बाद जमा कराया गया कोई भी डिजिटेशन किसी भी सूरत में क्रबूल नहीं किया जाएगा।

✚ आखिरी तारीख के बाद जमा-शुदा डिजिटेशन सिर्फ अगले सेमेस्टर में बैक-पेपर इम्तिहान के ज़रिए ही क्राबिले-गौर होगा।

ڈزٹیشن کے لیے رہنما اصول

(GUIDELINES FOR DISSERTATION WORK)

طلبا کے لیے رہنما ہدایات:

○ بی۔اے۔پنجم سمسٹر کے طلباء کے لیے ڈزٹیشن (تحقیقی مقالہ) ایک لازمی تعلیمی جز ہے۔ اس مقصد کے لیے طلباء کو شعبہ اُردو کے مجاز اساتذہ سے رہنمائی حاصل کرنا ضروری ہے۔ طلباء کو اپنے مقرر کردہ سپروائزر فیسلیٹیٹر (facilitator) سے باقاعدہ رابطہ قائم رکھنا ہوگا تاکہ تحقیق کے دوران مناسب رہنمائی، مشورہ اور تعلیمی معاونت حاصل ہو سکے۔

○ طلباء کو سب سے پہلے اپنا ڈزٹیشن پروپوزل (Dissertation Proposal) تیار کرنا ہوگا اور اسے یونیورسٹی کو درج ذیل ای میل آئی ڈی پر صرف سافٹ کاپی (PDF) کی صورت میں ارسال کرنا ہوگی:

dou@uou.ac.in

○ شعبہ اُردو، اُترکھنڈ اوپن یونیورسٹی کی جانب سے موصولہ ڈزٹیشن پروپوزل کا تفصیلی جائزہ لیا جائے گا اور اس سے متعلق ضروری ہدایات اور تجاویز فراہم کی جائیں گی۔ نظر ثانی شدہ پروپوزل اور اس پر دی گئی آراء (Feedback) کو یونیورسٹی کی سرکاری ویب سائٹ پر پروپوزل جمع کرانے کی آخری تاریخ کے ایک ہفتے بعد اپ لوڈ کیا جائے گا۔

○ جن طلباء کے ڈزٹیشن پروپوزل کو یونیورسٹی کی جانب سے مسترد کر دیا جائے گا، انہیں تجویز کردہ اصلاحات کی روشنی میں اپنے پروپوزل میں ترمیم کر کے ایک ہفتے کے اندر دوبارہ صرف سافٹ کاپی کی صورت میں یونیورسٹی کو ارسال کرنا ہوگا۔

○ کسی بھی صورت میں ایسا ڈزٹیشن قبول نہیں کیا جائے گا جس کا متعلقہ پروپوزل یا تو مسترد ہو چکا ہو یا جسے باضابطہ منظوری حاصل نہ ہوئی ہو۔

○ طلباء کو اپنا تحقیقی کام صرف اسی وقت شروع کرنا چاہیے جب یونیورسٹی کی جانب سے پروپوزل کی باضابطہ منظوری حاصل ہو جائے۔

○ ڈزٹیشن پروپوزل کے ساتھ سپروائزر فیسلیٹیٹر (facilitator) کا مختصر تعارفی خاکہ (Bio-data) منسلک کرنا لازمی ہے۔

○ بایوڈیٹا کے بغیر ارسال کیے گئے پروپوزل کسی بھی صورت میں قبول نہیں کیے جائیں گے۔

○ یونیورسٹی کو ارسال کیا گیا ڈزٹیشن پروپوزل طلباء کو واپس نہیں کیا جائے گا۔

- طلباء سے توقع کی جاتی ہے کہ وہ اپنا تحقیقی کام آزادانہ اور خود انجام دیں گے۔ نقل، سرقت (Plagiarism) یا کسی دوسرے کے کام سے ترجمہ یا اخذ شدہ مواد کسی بھی صورت میں قابل قبول نہیں ہوگا۔
- اگر یونیورسٹی کو یہ معلوم ہوتا ہے کہ دو یا زائد طلباء نے ایک جیسے یا بہت زیادہ مشابہ عنوانات اور مواد پر ڈزٹیشن جمع کرایا ہے یا اگر کسی طالب علم نے کسی دوسرے طالب علم کے کام کا ترجمہ یا ترمیم شدہ نسخہ پیش کیا ہے، تو ایسی صورت میں ڈزٹیشن کو مسترد اور منسوخ کر دیا جائے گا۔
- ڈزٹیشن کی رہنمائی کے سلسلے میں طلباء سے کسی بھی قسم کی فیس وصول نہیں کی جائے گی۔
- ڈزٹیشن اُردو زبان میں، سنگل اسپیس، فونٹ سائز 16، A4 سائز پیپر پر تیار کیا جانا چاہیے۔ ٹائپنگ مکمل ہونے کے بعد ڈزٹیشن کی باریک بینی سے پروف ریڈنگ کی جائے اور تمام طباعتی، لسانی اور فارمیٹنگ اغلاط کی اصلاح کی جائے۔
- ڈزٹیشن کے تمام صفحات پر صفحہ نمبر درج ہونا لازمی ہے۔
- ڈزٹیشن کو ہارڈ کور باؤنڈنگ میں جمع کرنا ضروری ہے۔
- ڈزٹیشن کے سرورق (First Page) پر درج ذیل تفصیلات واضح طور پر درج ہونی چاہئیں:
 - طالب علم کا پورا نام
 - انٹرولمنٹ نمبر
 - اسٹڈی سینٹر کا مکمل پتہ
 - سپر وائزر/فیسلیٹیٹر کا پورا نام
 - (اس کا نمونہ اس رہنمائی کتابچے کے آخر میں دیا گیا ہے)
- طلباء کو کتابچے کے آخر میں دیے گئے تینوں پروف فارما مکمل طور پر پُر کر کے ڈزٹیشن کے ساتھ منسلک کرنا لازمی ہے۔
- ڈزٹیشن کا تحقیقی کام بنیادی (Primary Data) اور یا ثانوی (Secondary Sources) ماخذات پر مبنی ہونا چاہیے۔
- تحقیق سے متعلقہ سابقہ لٹریچر کا مطالعہ نہایت ضروری ہے۔ اس سے نہ صرف موضوع پر گرفت مضبوط ہوتی ہے بلکہ تحقیقی معیار میں بھی نمایاں بہتری آتی ہے۔

○ طلباء کو ڈزٹیشن کی تین کاپیاں تیار کرنی ہوں گی:

ایک کاپی یونیورسٹی کے لیے

ایک کاپی سپروائزر کے لیے

ایک کاپی ذاتی ریکارڈ کے لیے

○ عنوانات کے لیے 20 اور ذیلی عنوانات کے لیے 18 فونٹ سائز (Noori Nastaliq) استعمال کیا جاسکتا ہے، جب کہ اصل متن کے لیے فونٹ سائز 16 ہونا چاہیے۔ بہت چھوٹا یا بہت بڑا فونٹ استعمال کرنے کی صورت میں ڈزٹیشن مسٹر کی جا سکتا ہے۔

○ ڈزٹیشن کم از کم 60 صفحات پر مشتمل ہونا چاہیے اور ہارڈ باؤنڈ ہونا لازمی ہے۔

○ حوالہ جاتی فہرست (References / Bibliography) کے بغیر پیش کی گئی کوئی بھی تحقیقی تحریر کسی بھی صورت میں قبول نہیں کی جائے گی۔

○ تحقیقی پروپوزل رکھا کہ پہلے سپروائزر سے منظور شدہ ہونا چاہیے اور اس کے بعد طالب علم اور سپروائزر دونوں کے اصل دستخطوں کے ساتھ مقررہ مدت کے اندر شعبہ اُردو، اترکھنڈ اوپن یونیورسٹی کو ذاتی طور پر یا رجسٹرڈ ڈاک کے ذریعے ارسال کرنا ہوگا۔ مقررہ تاریخ کی خلاف ورزی کی صورت میں پروپوزل قبول نہیں کیا جائے گا اور اس کی مکمل ذمہ داری طالب علم پر عائد ہوگی۔

○ صرف وہی اساتذہ سپروائزر بننے کے اہل ہوں گے جو:

پی ایچ۔ڈی۔ کی ڈگری رکھتے ہوں

کسی یونیورسٹی یا کالج میں مستقل، عارضی یا کانٹریکٹ بنیاد پر تدریسی خدمات انجام دے رہے ہوں۔

تحقیق یا پروجیکٹ کی رہنمائی کا کم از کم دو سالہ تجربہ رکھتے ہوں۔

(البتہ اترکھنڈ اوپن یونیورسٹی میں خدمات انجام دینے والے شعبہ اُردو کے اساتذہ کے لیے دو سالہ تجربے کی شرط عائد نہیں ہوگی۔)

○ ڈزٹیشن کل 100 نمبروں پر مشتمل ہوگا، جس میں:

70 نمبر تحریری ڈزٹیشن کے

30 نمبر ”واؤ اوو سے“ (زبانی امتحان) کے ہوں گے

واؤ امتحان میں شامل ہونے کے لیے طالب علم کو تحریری ڈزٹیشن میں کم از کم 50 فیصد نمبر حاصل کرنا لازمی ہے۔ 50 فیصد

سے کم نمبر حاصل کرنے کی صورت میں طالب علم ناکام تصور کیا جائے گا اور اسے اگلے تعلیمی سیشن میں بیک لاگ فارم بھر کر دوبارہ ڈزٹیشن جمع کرانا ہوگا۔

○ یو۔جی۔سی۔(UGC) کے ضوابط کے مطابق 10 فیصد تک Plagiarism قابل قبول ہے۔ ڈزٹیشن کو معتبر سافٹ ویئر کے ذریعے چیک کرنا اور Plagiarism Certificate منسلک کرنا لازمی ہے۔ 10 فیصد سے زائد سرفے کی صورت میں ڈزٹیشن قبول نہیں کیا جائے گا۔

○ تحقیقی سپروائزرز اور ڈزٹیشن کا جائزہ لینے والے ممتحنین کو یونیورسٹی کے قواعد کے مطابق اعزازیہ (Honorarium) ادا کیا جائے گا۔

○ ڈپارٹمنٹ کی سطح پر ہر سیشن کے لیے تحقیقی موضوعات کی فہرست میں ضرورت کے مطابق ترمیم کی جاسکتی ہے۔

اہم تاریخیں:

○ ڈزٹیشن سے متعلق تمام اہم تاریخیں یونیورسٹی کی سرکاری ویب سائٹ پر جاری کی جائیں گی۔

○ طلباء کو اپنا ڈزٹیشن پروپوزل مقررہ ای میل آئی ڈی dou@uou.ac.in پر ہی ارسال کرنا ہوگا۔

○ مقررہ آخری تاریخ کے بعد جمع کرایا گیا کوئی بھی ڈزٹیشن کسی بھی صورت میں قبول نہیں کیا جائے گا۔

○ آخری تاریخ کے بعد جمع شدہ ڈزٹیشن صرف اگلے سمسٹر میں بیک پیپر امتحان کے ذریعے ہی قابل غور ہوگا۔



ڈزٹیشن کا عنوان



بچلر آف آرٹس ڈگری کی جزوی تکمیل کے لیے پیش کردہ تحقیقی مقالہ

از

پیش کردہ ڈزٹیشن

بی۔ اے پنجم سمسٹر

انزولمنٹ نمبر

اسٹڈی سینٹر کا نام

نگراں

سپروائزر/فسیلیٹیٹر کا پورا نام

اسسٹنٹ پروفیسر

شعبہ اُردو

اُتر اُکھنڈ اوپن یونیورسٹی

سال

TITLE OF THE DISSERTATION



*A Research Dissertation Submitted in Partial Fulfillment of the Requirements
for the Degree of Bachelor of Arts (B.A.)*

Submitted by

[Name of the Student]

B.A. Fifth Semester

Enrollment No.:

Study Centre:

Supervisor / Facilitator

[Full Name of the Supervisor]

Assistant Professor (AC)

Department of Urdu

Uttarakhand Open University

Year: _____

PERFORMA FOR SUBMISSION OF DISSERTATION PROPOSAL
(For Approval by the Facilitator – Discipline of Urdu)

Enrollment Number: _____

Title of the Dissertation: _____

Date of Submission: _____

Name of the Study Centre: _____

Name of the Regional Centre: _____

Name of the Facilitator: _____

Details of the Facilitator:-

Name: _____

Designation & Address: _____

Phone Number: _____

Email ID: _____

Details of the Student:

Name: _____

Address: _____

Phone Number: _____

Email ID: _____

Recommendation of the Facilitator:

Approved / Not Approved

Remarks (if any):

Signature of the Facilitator: _____

Date and Place: _____

DECLARATION

I hereby declare that the dissertation entitled _____

(WRITE THE TITLE IN BLOCK LETTERS) submitted in partial fulfillment of the requirements for the B.A. Vth Semester to Uttarakhand Open University (UOU) is my original work. This dissertation has not been submitted earlier to any other university or institution for the award of any degree, diploma, or for any other programme of study.

I further declare that no part or chapter of this manuscript, either in whole or in part, has been copied, lifted, or incorporated from any earlier work carried out by me or by any other person, except where due acknowledgement has been made in the text.

Date : _____

Place: _____

Signature of the Student: _____

Enrolment Number: _____

Name of the Student: _____

Address: _____

CERTIFICATE

This is to certify that Mr./Ms. _____
_____ a student of B.A. Vth Semester of Uttarakhand
Open University (UOU), Haldwani, has carried out his/her dissertation work under my
supervision and guidance for the course B.A.

The dissertation entitled _____

submitted by him/her is his/her genuine and original work and is fit for
submission in partial fulfillment of the requirements for the award of the
B.A. degree.

(To be filled by the Facilitator)

Signature of the Facilitator: _____

Name: _____

Address: _____

Phone Number: _____

Email ID: _____

Date: _____

Place: _____